अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : अप्रैल–मई 2022

परीक्षा का नाम : मध्यमा प्रथम

विषय : गायन तथा स्वरवाद्य वादन

दि. 19/06/2022 समय : सुबह 9 से 12 कुल अंक : 75

सूचनाएँ : (१) प्रथम प्रश्न अनिवार्य ।
(२) शेष प्रश्नोंमेंसें कोई भी 4 प्रश्न हल करें ।
(३) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्र. 1 पाठ्यक्रम के विस्तृत अध्ययन के रागों में से किसी एक राग मे विलंबित ख्याल या मसीतखानी गत स्थायी अंतरा सहित स्वरलिपीबध्द करे साथ मे स्थाई के दो आलाप लिखे। (6+6+3=15)

प्र. 2. पाठ्यक्रम के साधारण अध्ययन के रागों मे से राग तिलंग अथवा राग जौनपुरी मे छोटा ख्याल अथवा रजाखानी गत स्थायी अंतरा सहित स्वरलिपी बध्द करे साथ मे 3 ताने लिपीबध्द करे । (6+6+3=15)

प्र. 3 निम्नलिखित रागो मे से किन्ही तीन रागों की विस्तृत जानकारी लिखे । (3X5 = 15)
1) मालकंस 2) हमीर 3) कालिंगडा 4) पटदीप

प्र. 4. निम्नलिखित तालोंकी जानकारी तथा पूरा ठेका और सूचनानुसार लयकारी लिखे। (कोई तीन) (3X5 = 15)
1) त्रिताल - तिगुन पलुस्कर लिपीमे
2) सूलताल - चौगुन भातखंडे लिपीमे
3) एकताल - दुगुन पलुस्कर लिपीमे
4) धमार - दुगुन भातखंडे लिपीमे

प्र. 5 (सा) पं. भातखंडे और पं पलुस्कर स्वरलिपी पध्दती की तुलना करे । (10 मुद्दोंपर) (10)

(रे) संधीप्रकाश राग पर टिप्पणी लिखे । (5)

प्र. 6 किसी एक की जीवनी लिखे । (15)

1) पं. विष्णु नारायण भातखंडे
2) पं. बालकृष्णबुवा इचलकरंजीकर
3) तानसेन

प्र. 7 (सा) रिक्त स्थानों की पूर्ती करे । (5)

1) धमार ..... ताल मे गाया जाता है ।
2) राग जौनपुरी का थाट ..... है।
3) श्रृती विभाजन में पंचम स्वर की ..... श्रृतीया है ।
4) ओडव-संपूर्ण जाती के राग के आरोह मे .....स्वर होते है ।
5) शहनाई ये ..... प्रकार का वाद्य है ।

(रे) सही या गलत बताईए । (5)

1) राग देसकार का थाट बिलावल है।
2) तानपुरा को घनवाद्य कहते है ।
3) पं. विष्णु नारायण भातखंडे जी ने "लक्ष्यसंगीतम" नामक ग्रंथ लिखा है ।
4) हिंदुस्थानी संगीत मे गणितानुसार 22 थाट निर्माण होते है ।
5) पं. शिवकुमार शर्मा विश्वविख्यात संतूर वादक है ।

क) जोडिया लगाईए । (5)

अ	ब
1. वि. एकताल	1. तानसेन
2. दिपचंदी ताल	2. ठुमरी
3. धमार ताल	3. उ. बिसमिल्ला खाँ
4. शहनाई	4. 14 मात्रा
5. धृपद गायक	5. बडा ख्याल